



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार दृश्य	पत्र का नाम भूमिल	दिनांक 19. 02. 25	पृष्ठ संख्या 12	कॉलम 2-6
-----------------	----------------------	----------------------	--------------------	-------------

मथरूम उत्पादन किसानों के लिए फायदेमंद

- हृषि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

इटिग्रूमि न्यूज़ ►► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथमा नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान प्रांत के 74 युवक एवं युवतियों ने भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि मशरूम उत्पादन एक



हिसार। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते मुख्य अतिथि डॉ. मदन खीचड़, साथ हैं डॉ. अशोक गोदारा।

फोटो: हरिभूमि

पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के भी कम लागत में एक अच्छा साथ-साथ किसानों के लिए रोजगार स्थापित कर सकते हैं। स्वरोजगार का एक बेहतर विकल्प विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान है। इस व्यवसाय से भूमिहीन युवा सिंह मंडल ने बताया कि मशरूम

उत्पादन से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है क्योंकि यह एक संतुलित आहार है, जिसमें कई तरह के खनिज, विटामिन, अमीनो एसीइज, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के साथ-साथ यह कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर है। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि पिछले कई वर्षों से मशरूम की खेती की तरफ किसानों का रुझान बढ़ा है। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता, डॉ. ओमप्रकाश विश्नोई, डॉ. विकास काम्बोज, डॉ. राकेश कुमार चूध, डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. सरदूल मान, डॉ. धूर्घा सिंह व. डॉ. पवित्रा मोर्य पुनिया ने भी मशरूम उत्पादन तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार	पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत साहा	सामाजिक	19. 02. 25	५	६४

हृषि में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर प्रशिक्षण सम्पन्न

हिसार, 18 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान प्रांत के 74 युवक एवं युवतियों ने भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, संरक्षित खेती, बेकरी, फल व सब्जी सहित विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ किसानों के लिए स्वरोजगार का एक बेहतर विकल्प है। इस व्यवसाय



प्रतिभागियों के साथ अधिकारी।

से भूमिहीन युवा भी कम लागत में एक होने के साथ-साथ यह कई तरह के अच्छा रोजगार स्थापित कर सकते हैं। औषधीय गुणों से भरपूर है। संस्थान के मशरूम के उत्पादन के साथ-साथ इसका प्रसंस्करण करके या मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करके भी अच्छी आमदानी प्राप्त की जा सकती है। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मशरूम उत्पादन से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है क्योंकि यह एक संतुलित आहार है, जिसमें कई तरह के खनिज, विटामिन, अमीनो एसीडज, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हों। विस्तार से जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के सरी	१९.०८.२५	५	७-८

हक्की में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर प्रशिक्षण संपन्न



मुख्य अतिथि प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए-

हिसार, 18 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान प्रांत के 74 युवक एवं युवतियों ने भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, संरक्षित खेती, बेकरी, फल व सब्जी सहित विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ किसानों के लिए स्वरोजगार का एक बहतर विकल्प है। मुख्य अतिथि ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभूतजाला	१५. ०२. २५	५	३

एचएयू में 74 युवाओं ने
लिया 'मशरूम उत्पादन
तकनीक' का प्रशिक्षण

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान प्रांत के 74 युवक एवं युवतियों ने भाग लिया।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज के मार्गदर्शन में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, संरक्षित खेती, बेकरी, फल व सब्जी सहित विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ किसानों के लिए स्वरोजगार का एक बेहतर विकल्प है। संवाद



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नई निवास मंडल	19. 02. 25	५	७-८

मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण हुआ

हिसार एचएयू के साथान नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विवि के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि रहे। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के मार्गदर्शन में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, संरक्षित खेती, बेकरी, फल व सब्जी सहित विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मशरूम उत्पादन से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है, व्योंगि यह एक संतुलित आहार है, जिसमें कई तरह के खनिज, विटामिन, अमीनो एसीड़ज, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के साथ यह कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	18.02.2025	--	--

हकूमि में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर प्रशिक्षण संपन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान प्रांत के 74 युवक एवं युवतियों ने भाग लिया। डॉ. खीचड़ ने बताया कि मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, संरक्षित खेती, बेकरी, फल व सब्जी सहित विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ किसानों के लिए स्वरोजगार का एक बेहतर विकल्प है। इस व्यवसाय से भूमिहीन युवा भी कम लागत में एक



अच्छा रोजगार स्थापित कर सकते हैं। मशरूम के उत्पादन के साथ-साथ इसका प्रसंस्करण करके या मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करके भी अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी

वितरित किए।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मशरूम उत्पादन से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है क्योंकि यह एक संतुलित आहार है, जिसमें कई तरह के खनिज, विटामिन, अमीनो

एसीइज, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के साथ-साथ यह कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर है। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि पिछले कई वर्षों से मशरूम की खेती की तरफ किसानों का रुझान बढ़ा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	18.02.2025	--	--

हकृवि में 'मशस्वम उत्पादन तकनीक' पर प्रशिक्षण संपन्न

विश्व टाइम्स न्यूज
हिसार। पीढ़ी जन पिंड
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के
सदस्य बेहतर कृषि प्रौद्योगिकी
प्रशिक्षण एवं शिक्षा सम्बन्ध में
‘महाराज उदयान लक्ष्मी’ एवं तीन
दिवसीय प्रशिक्षण रचना हुआ।
समाप्त अवधि पर विश्वविद्यालय
के हाथ कल्याण निदेशक डॉ. मनो
खीराचार मुख्य अधिकारी के लील पर
उपस्थित हुए। प्रशिक्षण में हरियाणा
व राजस्थान प्रांत के 24 युवाएँ एवं
प्रशिक्षियों ने भाग लिया।

द्वारा कल्याण निदेशक द्वा० मधुर
खींचन ने कल्याण कि निधनियोगमय
के कुलांगी प्रौ० खींचन, कामोजीज
के पार्श्वस्थान में मधुरका उत्तमान,
मधुरमवली गालन, कंकुना याद
उत्तमान, संवादित खेड़ी, बेळी, फल
व सब्जी सहित विभिन्न उत्तम के
पूल संरचित उत्तम तियार करने के



प्रशंसण दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मठकम उपाधन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के सभी-सभी क्रियान्वयन के लिए स्वर्णजगत का एक बेलत विकल्प है। इस अवसराय से भूमितीन पूरा भी कम लागत में एक अच्छा रोडविगत स्थापित कर सकते हैं।

मनकम के उत्पादन के साथ-साथ
इसका प्रशोधनकरण करके या मूल
संरचना तत्वाद नीतियाँ करके भी
अचूक आपदाएँ प्रति को जो सकती
हैं। मूलव अतिथि ने जावाहंकर व
अत में प्रशोधनकर्त्तियों को प्रशासन
उत्तर भी लिखारित किए

डॉ. कल्याण सिंह बड़वा ने बड़वा कि महाराष्ट्र राजावान से खाली मुद्रा पुनर्गठित होती है और वह यह मंत्रिलिपि आहार है, तिसमें कई राजके के ख्रियज, चिटापिल, अमानप, एसीद्वय, द्वोटीन इत्युक्ताकाम उपलब्ध होते हैं कि माध्यमात्र वाहक वाहक के अधिकारी वाहक से भवान है।

संवादन के सह- निर्देशक
अधिकारी छपार गोदावरा ने कालांग
पिलाते कई चांदी में प्रशंसन
खेली को तरफ किसानों का गृह
बना है।

झं. सारीस कुमार मेला, झं.
ओमप्रकाश विश्वास, झं. विकास
कामवाच, झं. योगेश कुमार चौधुरी,
झं. दीपेंद्र शर्मा, झं. सरस्वत मान,
झं. धूषेंद्र मिश्र व झं. पवित्रा मोहन
पुनिया ने भी महालम उपराजन
उपराजन के बारे में विवादार के

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	19.02.2025	--	--

हफ्ते में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर प्रशिक्षण संपन्न

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल जूँधि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के सात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खोचड़ मुख्य अधिकारी के तौर पर अविद्यत रहो प्रशिक्षण में हासियाणा ब गुजरातान प्रांत के 74 युवक एवं युवतीयों ने भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खोचड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय के कृषिकौशल प्रो. डॉ. आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केचुआ खाद उत्पादन, संविधान खेती, बेकरी, फल व सब्जी सहित विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ किसानों के लिए स्वरोजगार का एक बेहतर विकल्प है। इस व्यवसाय से भूगोलीय युवा भी कम सागत में एक अच्छा गंगागर

स्वीकृत कर सकते हैं। मशरूम के उत्पादन के साथ-साथ इसका प्रसंस्करण करके वा मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करके भी अच्छी अपनी प्राप्ति जीत सकते हैं।

तरह के औपर्योग गुणों से भरपूर है। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अमोल कुमार गोदारा ने बताया कि पिछले चार वर्षों से मशरूम की खेती की तरफ किसानों वा रुक्कान बढ़ा है।



मुख्य अधिकारी ने कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलबान सिंह मड्डा ने बताया कि मशरूम उत्पादन से खाद्य सुरक्षा सुनारियत होती है क्योंकि यह एक संतुलित जाहर है, जिसमें कई तरह के खनिज, विटामिन, अमीनो एसीइज, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उत्पन्न होने के साथ-साथ यह कई

उन्होंने बताया कि मशरूम का उपयोग भोजन व औषधि के रूप में किया जाता है। प्रशिक्षण संबोधक डॉ. सतीश कुमार मेहता, डॉ. ओमप्रकाश विज्ञोह, डॉ. विजास काम्बोज, डॉ. राकेश कुमार चूध, डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. सरदूल मान, डॉ. शुभेंदु सिंह व डॉ. शशिक्रा योर्म पुनिया ने भी मशरूम उत्पादन तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	19.02.25	--	--

हकूमि में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर प्रशिक्षण संपन्न हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान प्रांत के 74 युवक एवं युवतियों ने भाग लिया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने



बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, संरक्षित

खेती, बेकरी, फल व सब्जी सहित विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ किसानों के लिए स्वरोजगार का एक बेहतर विकल्प है। इस व्यवसाय से भूमिहीन युवा भी कम लागत में एक अच्छा रोजगार स्थापित कर सकते हैं।